विषय सूची

1. शब्द और वाणी के महत्व पर विचार पृष्ठ 1 से 2
2. वर्णमाला में स्वरों के आधार पर समान उच्चारण लेकिन भिन्न अर्थ वाले शब्द पृष्ठ 2 से 25
3. गुणवाचक संज्ञाएं व विषेशण पृष्ठ 25 से 30
4. अवगुणवाचक संज्ञाएं व विषेशण पृष्ठ 30 से 40
5. भावनाओं को व्यक्त करने वाले शब्द पृष्ठ 40 से 44

1. शब्द और वाणी के महत्व पर विचार

श्रीमद् भागवद गीता में 'शब्द; ब्रह्म परम्म' कहा गया है । यानि, शब्द ही सब से बड़ा रचयता या रचना करने वाळा ब्रह्मा है ।

संत कबीर के अनुसार ;

सब्द बराबर धन नहीं , जो कोई जाने बोल ।

हीरा तो दामों मिलै, सब्दहि मोल न तोल ।। 30 ।।

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोये ।

औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होए ।।

सही शब्द का उपयोग करना, एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान है । व्यक्ति का पहला वाक्य सुनते ही, कुछ लोग तो उसके चरित्र को

ही आंक लेते हैं । कई उच्च पदों पर नियुक्ति के लिये, या परीक्षाओं में भी, भाषा के स्तर की जानकारी व उचित शब्द के उपयोग की योग्यता को, अवश्य आंका जाता है ।

2.समान उच्चारण लेकिन भिन्न अर्थ वाळे शब्द

1. अनुपान : औषध के साथ मिला कर या उसके बाद खाई जाने वाला पदार्थ

   अनुमान : न्याय में प्रत्यक्ष ज्ञान दुवारा अप्रत्यक्ष मामळे की जानकारी या निश्चय

2. अनूप : जल से परिपूर्ण । वह स्थान जहॉ प्रचुर जल हो ।

   अनृत : असत्य , मिथ्या , झूठा , अन्यथा ।

   अमृत : जो मरता न हो, अमर हो, या जिसकी मान्यता सदा के लिये हो। जैसे कि पंचतत्व, पंचभूत, काल, सूवर्ण , धी, दूध , अन्न, शहद , दही, आदि ।

3. अनेरा : असत्य , झूठ, दुष्ट , क्रूर ।

   अनैहा : उपद्रव , उत्पात

4. अन्तराय : प्रतिबिम्ब , विघ्न, बाधा ।

   अन्तराल : मध्य भाग , घेरा, रिक्त स्थान ।

अन्तरीप : टापू , द्वीप , चटटान और भूमि का वो भाग जो समुद्र के बीच हो । जैसे कि भारत में लक्ष्यद्वीप और अण्डामन व निकोबार द्वीप ।

5. अपना : आत्मीय , निजि ।

अपनाना: अपने पक्ष में लाना ।

6. अपराह्न : दोपहर के बाद से संध्या तक का समय ।

अपराध : कानून का उलंघन, पाप , भूल, दोष ।

7. अपा : अभिमान , अहंकार ।

अपार : असीम, असंख्य, अतिशय ।

अपाव : अन्याय , अत्याचार ।

अपांग : नेत्र का कोना ।

अपंग : जिस के शरीर के किसी अंग में खराबी हो, या जिसका कोई अंग न हो ।

8. अपि : अवश्य , निश्चित ।

अपिच : और भी , तो भी , परंच ।

अपीच : सुन्दर , सुहावना ।

9. अपूर्ण : अधूरा , कम , असमाप्त , न्यून ।

अपूर्व : विचित्र, निराला, उत्तम , श्रेष्ठ ।

10. अप्रकट गुप्त , अप्रकाशित ,जो बात शब्दों में न कही गई हो

अप्रकृत या अप्राकृत ; अस्वभाविक , प्रकृति के विरूध ।

11. अबल ; दुर्बल ।

अबला ; स्त्री , या दुर्बल वृद्व महिला

अबार ; देर , विलम्ब ।

अबाल; तरुण , 14 से 18 वर्षों की आयु का लड़का, जो बालक नहीं होते , बालक से कुछ बड़ी आयु वाला ।

12. अबोध ; मूर्ख , अज्ञानी ।

अबोळ ; मौन , आवाक, चुप, ऐसी स्थिती जिसमें कुछ कहने को बाकी न रहे ।

अभाग ; भागरहित , समूचा , पूरा, जिसका कोई भाग न हुआ हो ।

अभाव ; कमी , दुर्भाव , विरोध , अनवस्था , सत्ता की शून्यता ।

13. अभिराम ; सुन्दर , प्रिय , प्रसन्न करने वाला या वाली ।

अविराम ; लगातार , बिना रूके हुए , निरन्तर ।

अभिनव ; नया, नवीन, अनुभवहीन ।

अभिभव ; पराजय, अनादर , तिरस्कार ।

अभिनय ; बनावटी हाव भाव , स्वॉग, नाटक का खेल, नृत्य में मन के भावों को प्रकट करने वाली अंगों की चेष्टा ।

14. अभ्यास ; साधना , एक कार्य जो बार बार किया जाय ताकि उस में निपुण हो सकें ।

अभ्याश ; निकट , पड़ोस ।

15. अमुक्त ; बंधा हुआ , जो मुक्त नहीं है ।

अमुक ; नाम न पता होने पर किसी व्यक्ति या पर्दाथ को अमुक कह कर संकेत किया जाता है । या बार बार किसी एक व्यक्ति या पर्दाथ को नाम से न बुला कर अमुक

शब्द से उसे संदर्भ में ळाया जाता है । अंग्रजी में इसे एक्सैक्टरा कहते हैं ।

16. अमूल ; जिसकी जड़ न हो ,जड़ रहित, मूल रहित, मिथ्या, झूठा , निर्मूल ।

अमूल्य ; अनमोल , अमोल , बहुमूल्य , मूल्य रहित ।

अमोला ; आम का नया नया पौधा ।

17. अमोध ; सफल , अव्यर्थ । उधारण; ओळम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने केलिये निशाना अमोध होना चाहिये ।

अमोद ; प्रसन्नता , आमोद, राग रंग , भोग विलास ।

18. अमल ; स्वच्छ , निर्मल , दोषरहित ।

अम्ल ; खट्टा रस, खटाई , ऑवले जैसा ।

19. अयन ; गमन , गति, रवि और चन्द्रमा की उत्तर से दक्षिण की ओर व वहां से वापसी की गति ।

आयन ; स्वभाव , प्रकृति ।

20. अयोग्य ; अनुचित , अयुक्त, जो योग्य न हो ।

अयोगू ; लोहे का काम करने वाला , लोहार ।

21. अरचा ; पूजा

अरघा ; हाथ धोने के लिये जल देने वाला

अरत ; धीमा , मन्द ।

अरति ; चिन्ता, अनिच्छा ।

अरि ; शत्रु , वैरी ।

आरती ; पूजा पाठ के समाप्त होने पर की जाने वाली प्रार्थना ।

अरथी ; शव को उठा कर ले जाने के लिये टिकठी ।

अर्थी ; मॉगने वाला , याचक । जैसे, विद्यार्थी, शरणार्थी।

22. अनुपान ; औषध के साथ मिला कर या उसके बाद खाई जाने वाला पदार्थ

अनुमान ; न्याय में प्रत्यक्ष मान दुवारा अप्रत्यक्ष मामले की जानकारी या निश्चय।

23. अनूप ; जळ से परिपूर्ण । वह स्थान जहॉ प्रचुर जळ हो ।

अनृत ; असत्य , मिथ्या , झूठा , अन्यथा ।

अमृत ; जो मरता न हो, अमर हो, या जिसकी मान्यता सदा के लिये हो। जैसे कि पंचतत्व, पंचभूत, काल, सूवर्ण , धी, दूध , अन्न, शहद , दही, आदि ।

24. अनेरा ; असत्य , झूठ, दुष्ट , क्रूर ।

अनैहा ; उपद्रव , उत्पात ।

25. अन्तराय ; प्रतिबिम्ब , विघ्न, बाधा ।

अन्तराल ; मध्य भाग , घेरा, रिक्त स्थान ।

अन्तरीप ; टापू , द्वीप , चट्टान और भूमि का वो भाग जो समुद्र के बीच हो ।

26. अळिन्द ; गॉव में , घर के बाहर बैठने के लिये बना चबूतरा ।

अरविन्द ; कमल , पद्म ।

27. अवसाद ; विषाद , क्षय , थकावट ।

अवसान ; विराम , समाप्ति ।

अवर ; नया , पीछे चळने वाला व्यक्ति ।

अवरत ; छोटा भाई , बाद में जन्मा हुआ।

28. अवसि ; अवश्य , निश्चित ।

अवसेर ; विलम्ब , चिन्ता ।

अवसर ; समय , काल ।

29. अनवाद ; निन्दा , कटुवचन ।

अनुवाद ; भाषान्तर , भाव या विचार को एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलना

30. अवरेब ; तिरछी चाल, वक्रचलन , फन्दा ।

अवेज ; बदला , प्रतिकार ।

31. अशोक ; एक प्रसिद्ध वृक्ष

अशोच ; किसी प्रकार के दुख या शोच का न होना ।

अशौच ; शारीरिक सफाई की कमी , अशुद्धता , अपवित्रता ।

32. असंक ; निडर , जिसमें कोई डर या शंका न हो।

असंख्य ; अनगिनत, जिसे गिना न जा सके ।

33. असहाय ; बिना किसी सहारे के । नि;सहाय ।

असहा ; ईषालु।

असा ; सोंटा । सोने या चॉदी से मढ़ा हुआ डंडा ।

34. असाढू ; बड़ी चट्टान या बड़ा पत्थर जिसे हिलाना मुश्किल हो

आषाढ़ ; हिन्दु वर्ष के तीसरे माह का नाम ।

35. अहर ; गणित की वह राशि जो बॅट न सकती हो ।

अहट ; पता लगाना , आहट लेना, ढूंढना , खोजना ।

36. अहि ; सर्प , पृथ्वी ।

अहिनाह ; शेषनाग ।

अहिंसा ; अद्रोह , किसी प्राणी को किसी प्रकार का कष्ट न देना ।

37. ऑच ; अग्नि, तेज, ताप, प्रेम, अग्न, जलन, संकट, विपत्ति

ऑट ; हथेली में तर्जनी और अँगूठे के बीच का स्थान । दॉव।

ऑठी ; गॉठ , बीज, गुठली ।

38. ऑगन ; घर के बीच का खुला हिस्सा ।

ऑवन ; पहिये के मध्य भाग कें जड़ी हुई लोहे की सामी जिसमें धुरे का डॅडा घूमता है ।

ऑवठ ; किनारा , कपड़े का छोर ।

39. आकर ; भण्डार । समूह ।

आकार ; अक्षर 'आ' , स्वरूप , आकृति , चेष्टा।

आकृति ; आकार, रूप, मूर्ति, व्यवहार, चेष्टा ।

40. आकाश ; नभ , गगन, बहुत ऊॅचा स्थान ।

आकाशीय ; आकाश सम्बन्धी ।

आकाशी; वह चॉदनी जो धूप से बचने के लिये तानी जाती है।

41. आग; अग्नि, जीवित अवस्था में, उष्म, गरमी, ताप , दाह ।

आगे ; अग्रभाग में, सम्मुख , भविष्य में । आगे आने वाला, अगिल ।

आगा; सेना का अग्र भाग जो सब से पहले चलता है ।

आगामी ; आगे चलने वाला या वाली ।

42. अचार; फलों और सब्जियों में मसाले मिला कर बनाया जाने वाला व्यंजन जो कई महीनों तक खाया जाता है ।

आचार ; व्यवहार के नियम, आचरण , अनुष्ठान , लक्षण ।

आचमन ; पूजा के आरम्भ की एक विधि जिसमें दहिने हाथ में जल ले कर मंत्र पढ़ कर जल पीया जाता है ।

43. आटा ; गेंहूँ या अन्य अन्न को पीसने के बाद बनाया हुआ सूखा चूर्ण ।

आटना ; मूँदना , छिपाना , ओट देना ।

आटी ; रोकए अटक, रुकावट ।

आटोप ; विस्तार , फैलाव ।

औटाना ; दूध में उबाल लाना ।

44. आठ ; अष्ट , चार की दुगनी संख्या । सात और नौ के बीच की गिनती ।

आड़ ; पर्दा , रोक, रक्षा, अड़ान ।

45. आतंक ; उपद्रव, भय, वेग, कष्ट, सन्ताप ।

आतप ; उष्णता ।

आत्मघात ; आत्महत्या ।

आत्मसात ; स्व; नियंत्रित , हर प्रकार से अपने पर नियंत्रण रखने वाला । स्वयम के अधीन ।

46. आदर्श ; अनुसरण करने योग्य ।

आदर्य ; आदरणीय ।

47. आदि ; आरम्भ, प्रथम, मूल ।

आदिदेव ; शिव , रवि, परमेश्वर ।

आदिशक्ति ; परमेश्वर की माया रूप शक्ति ।

48. आधा ; दो बराबर भागों में से एक ।

आधार ; अवलम्ब , थाला , आश्रय ।

49. आना ; एक रुपये का सोलहवॉ हिस्सा । लौटना , पहुॅचना , आगमन करना । मिलना । होना । बीतना । आरम्भ करना । वृक्षों पर फूल व फल लगना ।

आनन ; मुॅह, मुख ।

आनत; मुख नीचे किये हुए । अधोमुख ।

50. आभा चमक, कान्ति । प्रतिबिम्ब ।

आभास ; संकेत , झूठा दिखावा । मिथ्या की छाया ।

51. आय; धनागम , लाभ । आमदनी ।

आयत ; विशाल, विस्तृत, दीर्घ ।

आयस ; मोहमय । लोहा ।

आयात ; विदेशों से देश के अन्दर लाई गई वस्तुएँ । आयात निरयात । इमपोर्ट एक्सपोर्ट ।

आयाम ; नियम , विसतार , लम्बाई ।

आयास ; परिश्रम । अति यत्न करना ।

52. आर ; पहिये का आरा , भाग, कोना, प्रान्त , गमन ।

आरा; लकड़ी काटने के लिये दॉतेदार लोहे की चौड़ी पट्टी जो एक तरफ से लकड़ी की पुट्टी में जड़ी होती है, पकड़ने के लिये ।

53. आरम्भ ; प्रस्तावन, शुरू करना ।

आरण्य ; वनजाती , जॅगल से सम्बन्धित ।

आरक्त ; लाल रॅग जैसा ।

आरज ; कुलीन , सभ्य, सज्जन, पूज्य , श्रेष्ठ व्यक्ति ।

54. आरोग ; स्वस्थ, बिना रोग के

आरोप ; निवेश्न, स्थापन ।

आरोह ; नीचे से उपर को उठान

55. आलाप ; संगीत में सातों स्वरों का रागसहित उच्चारण

आलेख; लेख , लिखावट ।

आलेख्य ; चित्र, चित्रकारी ।

आलोक ; रवि का प्रकाश

आलोचन ; दर्शन, विवके । किसी लेख या विचार पर टिप्पणी

लोचन ; ऑखें , नयन, नेत्र ।

आलीन ; पिघला हुआ, गला हुआ ।

56. आश ; भोजन , खाना , खानेवाला ।

आशय ; अभिप्राय, आधार, इच्छा , तात्पर्य , आश्रय ।

आशा ; दिशा, कुछ मिलने की इच्छा , आसरा, भरोसा, अवलम्ब

आशु ; शीघ्र ।

आशुतोष ; शीघ्र प्रसन्न होने वाला , शिवशंकर का एक नाम।

57. आस ; आसन, बैठक , आशा, भरोसा ।

आसा ; सोने या चॉदी का मढ़ा हुआ डंडा जिसको उत्सव में आगे लेकर चला जाता है ।

आसन; स्थिति , जमीन पर बिछा कर बैठने के लिये एक विशेष बुना हुआ चौकोर टुकड़ा, जिसे चौकी पर भी बिछाया जाता है।

आसनी ; छोटा आसन ।

आसादन ; स्थापन , प्राप्ति ।

58. आसीस ; मंगल कामना सूचक वाक्य । आर्शीवाद ।

आसीसा ; लेटते समय सिर के नीचे लगाने के लिये गोलाकार छोटी गद्दी । तकिया ।

59. आसेक ; वृक्षों को सींचना ।

आसेध ; रोक रखना ।

60. आहूत या आहवान् ; जिसे पुकार कर बुलाया गया हो ।

आहूति ; हवन में , मन्त्रों के उच्चारण के साथ , डाला गया घृत व अन्य पदार्थ ।

61. आह ! ; पीड़ा, खेद या दुख व्यक्त करने के लिये उपयोग किये जाने वाला शब्द ।

आहत ; हारा हुआ , चोट खाया हुआ ।

आहा !! ; आश्चर्य सूचक शब्द

आह्लाद ; प्रसन्नता , आनन्द

आहट ; दूर से सुनाई देने वाली हल्की सी कोई आवाज़ या खटक ।

'इ' व 'ई' के शब्द

62. इक ; एक, इकाई, शून्य के बाद आने वाली पहली संख्या ।

ईख ; गन्ना । इसके रस से गुड़ और चीनी बनाई जाती है ।

63. इकतार ; एक समान , एक जैसे , बराबर ।

64. इकतारा ; एक तार का छोटा सा पारम्परिक संगीत वाद्य

इकताई ; एक व्यक्ति का अकेलापन । एकाकी ।

65. इकलाई; एक पाट पर बनी हुई महीन वस्त्र की चादर ।

66. इकलड़ा हार ; एक ही डोरी में बंधा हुआ हार ।

67. इक्का ; अकेला, अनोखा , निरालाए अपनी तरह का एक ही व्यक्ति । पारम्परिक दुपहिया गाड़ी जिसे एक ही घोड़ा खींचता है । ताश का एक पत्ता जिस में एक ही बूटी होती है ।

68. इति ; समाप्ति सुचक अव्वय । पूर्णता । समाप्ति ।

इतिहास ; प्राचीन अख्यान । पुरानी घटनाओं का कालक्रम के अनुसार वर्णन ।

69. इच्छु ; ईख , गन्ना ।

इच्छुक ; इच्छा करने वाला , अभिलाषी ।

70. इच्छा ; मनषा, अभिलाषा, मन की लालसा ।

इच्छित ; जिसकी इच्छा की गई हो । वांछित ।

71. इतराना ; अभिमान दिखाना , इठलाना , अभिनय जैसी कला दिखाना ।

72. इतवार; एतवार, रविवार, आदित्यवार ।

इतर ; अन्य , दूसरा, अवशेष ।

इत्र ; फूलों से बनाया गया एक सुगंन्धित पदार्थ ।

इकसार; एक समान, सदृश्य ।

73. इमि ; इस प्रकार से ।

इमली ;एक बड़ा वृक्ष जिसकी पत्तीयां व फल खट्टे होते हैं ।

74. इष्ट ; इष्ट देवता, कुल देवता । वह देवता जिसकी आराधना परिवार में विशेष मुख्य रूप से की जाती है ।

इष्टक ; ईंट ।

75. इस ; 'यह' शब्द का विशेष रूप जो विभक्त जुड़ने पर ' इस' हो जाता है ।

इसी का; 'यह' का संबंध कारक ।

इसे ; इसको, इसके लिये ।

इभ ; हाथी ।

76. इंचना ; आकर्षित होना ।

ईंचना ; अपनी ओर खींचना, ऐंठ लगाना , जैसे की रस्सी में ।

ईछना ; इच्छा करना ।

ईखना ; देखना ।

ईठ ; मित्र , इष्ट ।

77. ईश ; अधिकार युक्त , प्रधान, बड़ा ।

ईश्वर ; शिव, ब्रह्मा, विष्णु । प्रभु ।

ईशान ; पूरब और उत्तर के बीच की दिशा ।

ईसन ; ईशान कोण ।

78. ईषना ; प्रबल इच्छा ।

ईर्षा ; दूसरे के पास जो है , वह अपने पास न होने के कारण मन में तीव्र क्रोध व डाह जिसके कारण उसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जाता है ।

79. ईहा ; उद्यम, व्यवसाय , चेष्टा ।

80. ईहित ; अपेक्षित ।

81. उँ ; मुख बन्द रहते हुए किया गया अव्यक्त उच्चारण जिसका अर्थ होता है 'क्या' या ' नहीं' या ' अरे' ।

उँह ; हाय ! या नहीं ।

82. उँगली ; अँगुली ।

83. उँगनी ; गाड़ी के पहिये में तेल देने का काम ।

84. उघाई : कर का संग्रह ।

उँघाई : बैठे बैठे निद्रा आना, झपकी ।

उँचाई : उच्चता , विशेषता , तल की तुलना में उँचान ।

उँचन : बान से बुनी खाट को, समय समय पर , कसने के लिये रखी गई डोरी । अदवायन ।

85. उखली : गॉव के घरों में, अन्न को कूटने के लिये लकड़ी या पत्थर का गोलाकार या चौकोर पात्र जिसमें मूसल से अन्न कूट कर उसका सूखा छिलका अलग किया जाता है ।

उक्त : कथित , कहा हुआ ।

उक्ति : कथन , वचन , निर्देश ।

86. उजाला : प्रकाश , उजला , दिन , उज्जवल , चमकीला ।

उजागर : प्रकाशित , विख्यात , श्वेत ।

87. उकुडू : घुटनों को मोड़ कर बैठने की एक मुद्रा ।

उड़ाकू : उड़ने वाला , पक्षी । काल्पनिक बातें करने वाला । गप्प मारने वाला । बढ़ा चढ़ा कर बातें करने वाला ।

उड़ाउू : अधिक धन व्यय करने वाला, पैसे उड़ाने या शीर्घ खर्च करने वाला ।

88. उत्पन्न : जन्मा , उदित, उद्‌गत , निकला हुआ , प्राप्त ।

उतन : उस ओर , उधर ।

89. उतऋण : ऋण मुक्त ।

उतरन : पुराना वस्त्र जो जीर्ण हो गया हो ।

90. उत्कट : अधिक, तीव्र , व्यग्र ।

उत्कर्ष : श्रेष्ठता , वृद्धि , प्रशंसा , अधिकता ।

उत्कृष्ट : उत्तम, श्रेष्ठ ।

91. उत्ताप : तपन , गर्मी , उष्णता , उत्तेजना ।

उन्मान : परिमाण , मूल्य ।

92. उपचार : चिकित्सा, सेकना, प्रयोग, व्यवहार ।

उपकार : अनुग्रह , साहायता, लाभ देना ।

उपहार : भेंट , सम्मान, आहुति ।

उपहास : निन्दासूचक हास , दूसरे को शर्मिन्दा करने के लिये उस पर हॅसना या मज़ाक करना ।

उपासना : पूजा, आराधना, परिचर्या ।

93. उदार : दाता, श्रेष्ठ, सरल, सीधा , अनोखा, शिष्ट , महात्मा

उदर : पेट , जठर ।

उधर : वहॉ, उस ओर ।

उधार : ऋण , दूसरे से कुछ समय के लिये, लिया हुआ धन जिसे भविष्य में उसे वापस करना होता है , देन , मॅगनी ।

94. उद्देश : लक्ष्य , अनुसन्धान , हेतु ।

उद्देश्य : मन की छिपी इच्छा , बुद्धि , उत्पत्ति, जन्म ।

95. उनमान : अटकल , बराबर , नाप तौल, बल , सामर्थ्य ।

अनुमान : न्याय में प्रत्यक्ष ज्ञान द्वारा अप्रत्यक्ष विष्य को निश्चित करना ।

96. उबट : उँची नीची भूमी । कठिन मार्ग ।

उबटन : स्नान से पहले लगाया जाने वाला लेप ।

उबेना : नंगे पॉव ।

97. उष्म : ग्रीष्मकाल या ऋतु के तीन माह, गर्मी , उत्ताप, तीव्रता ।

उष्मज : गर्मी में या गर्मी से उत्पन्न होने वाला ।

98. ऋषि : शास्त्र प्रणेता । वेद मंत्रों के प्रकाशक । ज्ञान द्वारा संसार पार करने व कराने वाले मुनि।

ऋद्धि : वृद्धि । बढ़त । समद्धि ।

99. ऋत : सत्य , सत्यपूजित , सच्चाई ।

ऋति : भलाई , कल्याण ।

100. एक : अकेला, अद्वितीय, एकत्व, प्रधान । एकक । एकज।

एकाई : गणना का पहला अंक । एक का मान । नियमित मान ।

एकाकार : एक ही आकृति का । एक दूसरे में लीन ताकि दो के स्थान पर एक दिखाई दें , जैसे कि बूंद का नदी या सागर में लीन होना ।

एकाकी : अकेला , असहाय ।

एकाएक : अचानक । अक्समात ।

101. एक़त्र : एक ही स्थान पर । एक साथ ।

एकता : मेल जोल ।

ऐक्य : बराबरी , एकता, सादृश्य ।

एकटठा : जमा किया हुआ । इकट्ठा ।

एकीकृत : इकट्ठा किया हुआ ।

102. ऍच : न्यूनता । विलम्ब ।

ऍचना : लकीर खींचना , लिखना , निकालना , सुखाना ।

ऐंचना : खींचना , तानना ।

ऐंचातानी :कठिनता, खींचा खांची , कलह, युद्ध, छीनाझपटी।

103. एकपदी : पगडंडी ।

एकपक्ष : पक्षपादी ।

एक रस : व्यवहार व विचार में एक समान । दो व्यक्तियों का एक ही ढंग । एक रूप । समरस ।

104. एकादशी : चन्द्रमास की ग्यारहवीं तिथि ।

एकादशा : मृत्यु के बाद ग्यारहवें दिन किया जाने वाला कृत्य ।

105. एकार : स्वर वर्णमाला में एग्यारहवॉ अक्षर 'ए' ।

एकाहार : दिन में केवल एक बार भोजन करना ।

106. एव : इसी प्रकार से , ऐसे ही, भी ।

एवं : और ।

एवमस्तु : ऐसा ही हो । ऐसे ही । तथास्तु ।

107. ऐंठन या ऐंठ : मरोड़ , खिंचाव , अकड़ , तनाव, घुमाव, पेंच, लपेट ।

ऐड़ा : ऐंठा हुआ ।

ऐंड़ना : अकड़ दिखाना । नाक भौं चढ़ाना । इठलाना ।

108. ऐश्वर : शक्तिशाली , शिव सम्बन्धित ।

ऐश्वर्य : धन , सम्पत्ति , आधिपत्य ।

ऐश्वर्यवान् : सम्पन्न , वैभव युक्त ।

109. ऐहिक : इसी लोक से सम्बन्धित । संसारी ।

ऐकाहिक : एक दिन में होनेवाला ।

110. ओ : वर्णमाला का तेरहवॉ अक्षर । ओकार । ब्रह्मा ।
विस्मय या आश्चर्य सूचक शब्द ।

ओं : ओंमकार , प्रणव , तथास्तु , बहुत अच्छा , ओंकार ।

111. ओज : बल , प्रताप , तेज ।

ओजस्विता : प्रकाश , चमक ।

ओजना : रोकना । भार लेना ।

112. ओट : आड़ , अवरोध , रोक, रुकाव, ओड़न ।

ओटना : अपनी ही बात कहते रहना ।

औटाना : दूध उबालना या पकाना ।

113. ओस : अर्ध रात्रि से प्रातः तक वृक्षों व पोधों , धरती पर व खुले में रखी वस्तुओं और पशुओं पर एकत्र होने वाला वाष्पीय जल । यह सूर्योदय के बाद फिर से वाष्प बन जाता है।

ओसार : विस्तार चौड़ाई ।

ओसारा : दलान, छप्पर ।

औसर : अवसर , मौका ।

औसन : गर्मी ,उष्णता ।

114. ओहारना : ऊपर से नीचे की ओर आना । घट जाना ।

ओर : दिशा , पक्ष , छोर , किनारा , आरम्भ , अन्त ।

और : अन्य , दूसरा , केवल , अधिक , किन्तु ।

115. औगत : दुर्गति , दुर्दशा ।

116. औघट : कठिन , दुस्तर ।

3. गुण वाचक संज्ञाएं व विषेशण

1. अच्छ ; स्वच्छ , निर्मल । इसी से बनता है , अच्छा बालक या अच्छी बालिका ।
2. अमल ; बिना किसी मल या गंदगी के, पूर्णत; स्वच्छ, दोषरहित ।
3. अमलिन ; निर्मल , स्वच्छ, निष्कलंक, अदोष, निर्दोष ।
4. अनिन्दनीय ; निर्दोष , जिसकी निन्दा न की जा सके ।
5. अनघ ; पापशून्य , शुद्व, पापरहित ।
6. अकल्मष ; पापरहित, निर्दोष ।
7. निर्दोष ; अकंलकित , जिसमें कोई दोष न हो । अचण्ड ; शांत , सौम्य , सुशील ।
8. अग्रणी ; आगे चळने वाला या वाली ।
9. अनुशासनप्रिय ; सही नियम व कानून के अनुसार कार्य करने वाला या वाली ।
10. अच्छा मेज़वान ; मेहमानों की अच्छी देखभाल करने वाला व्यक्ति
11. आर्दशवादी ; उच्च आचरण करने और श्रेष्ठ नियमों को मानने वाला व्यक्ति ।
12. आत्मविश्वासी ; जिसे स्वयं पर विश्वास हो ।

13. अनन्यभाव ; केवल ईश्वर में ध्यान ळगाने वाला व्यक्ति ।

14. अनन्यमरस्क ; जिसका ध्यान किसी एक विषय पर न ळगे । मन इधर उधर डोलता रहे , स्थिर न रह सके ।

15. अमिट : अटल, जिसे मिटाया न जा सके ।

16. अविह्ल : जो व्याकुल न हो ।

17. ओजस्वी : प्रतापी , प्रभावशाली ।

18. अटट : दृढ़ , पुष्ट , पोढ़ा ।

19. अनामय : रोगरहित , आरोग्य , निरोगी ।

20. अखड़ैत :बलवान पुरुष या स्त्री, जो अखाड़े में कुश्ती करते हों ।

21. आकर्षक : मनमोहक । जिसे देखते रहने की इच्छा हो ।

22. इच्छुक : जो इच्छा या कामना करता या करती हो ।

23. ईमानदार : जिसके इमान या बात पर भरोसा किया जा सके । जो सच्चाई के आधार पर लेन देन करती या करती हो ।

24. उदारमन : जिसका मन उदार है । जो दूसरों को अपनी चीजें निसंकोच दे देता हो । जो दूसरों की मद्द करने में हिचकता न हो । जो खुले मन से दान करता हो ।

25. उत्सुकः जो नई चीजों के बारे में जानना चाहता हो। उत्कंठित।

26. विश्वसनीय : जिस पर विश्वास किया जा सकता हो ।

27. दार्शनिक : जो दर्शनशास्त्र जानता हो । तत्वज्ञानी ।

28. धार्मिक : जो धर्म में विश्वास रखता हो ।

29. शास्त्री : जिसने शास्त्रों का अध्ययन किया हो ।

30. प्रौढ़बुद्धिवालाः विक्सित व निपुण बुद्धि वाला ।

31. धीर : नम्र , गम्भीर , मनोहर , सुन्दर ।

32. वीर : जो युद्ध में साहसी और बलवान है ।

33. गम्भीर : गहरे स्वभाव वाला व्यक्ति । सौम्य प्रकृति का व्यक्ति । ऐसा व्यक्ति जो आसानी से या शीघ्र विचलित नहीं हो।

34. शूरवीर : वीरों में श्रेष्ठ वीर ।

35. हिम्मती : शांत बुद्धि से तथा सोच समझ कर कठिन कार्य करने वाला व्यक्ति ।

36. निडर : जिसे किसी का डर न हो । भयमुक्त ।

37. सहनशील:जो स्थिति विपरीत होने पर भी शांत भाव रखता हो ।

38. कष्टग्राही : जो चुपचाप शारीरिकि पीड़ा सहन करता हो ।

39. कष्टसहनशील : जो शांत भाव से कष्ट भोग लेता हो ।

40. धैर्यवान : हर विपरीत स्थिति में चित्त को शांत रखने वाला ।

41. धैर्यशील : जिसके स्वभाव में धैर्य हो । धैर्यचित्त ।

42. दृढ़मना : जो स्थिर मन या संकल्प वाला हो ।

43. दृढ़निश्चयी : जिसका निश्चय बदला न जा सके । जो न बदलने वाला निश्चय लेता हो ।

44. दृढ़संकल्पी : जो धर्म अनुसार अटूट निश्चय या संकल्प लेता है और उसके अनुसार आचरण करता है ।

45. कर्तव्यनिष्ठ : जो अपने कर्तव्य को सच्चे मन से मानता है और उसका पालन करता है ।

46. दायित्यवान : जो अपनी जिम्मेदारी या दायित्व को समझता है ।

47. धार्मिक वृति वाला : जो धर्म कार्य को नियमित रूप से करता हो। विचार और कर्मों में स्थिर । जीवन को व्यवस्थित ढ़ग से चलाने वाला । हिलमिल कर चलने वाला । आर्थिक साधनों के अनुसार जीविका चलाने वाला । हिलमिल कर चलने वाला । परस्पर सौहार्द रखने वाला , आपस में मित्रता रखने वाला । नीति निर्माण में कुशल । गृह कार्य में निपुण । विविधता बनाए रखने ।
48. समय पाबन्ध : जो हर कार्य समय पर करता या करती है ।
49. सम्मान प्रिय : जो अपनी समाजिक स्थिती की ओर ध्यान रखे और उस का आदर करे।
50. प्रेम शील : जिसमें प्रेम से कार्य करने व कराने की क्षमता है।
51. तर्क शील : जो सही बुद्धि के आधार पर विश्लेषण करता या करती हो , और किसी भी विष्य के एक से अधिक पहलू बता सकता या सकती हो ।
52. बुद्धिमान : जो सोच विचार एवं बुद्धि से कार्य करती हो ।
53. चतुर : जो कठिन स्थिती में बुद्धि से बचाव कर सकता हो।
54. तीव्रगाही :जो बात के अर्थ को जल्दी से समझ जाता या जाती हो ।
55. सुशिक्षित : जिसने अच्छी या श्रेष्ठ शिक्षा पाई हो ।
56. सभ्य : जो मान्य सामाजिक नियमों के आधार पर आचरण करता या करती हो ।
57. कुलीन : जो व्यवहार व आचरण में श्रेष्ठ है ।

58. कुशल : जो किसी कार्य को सही ढंग से करना जानता या जानती हो ।
59. कुशलकार्यकता : कार्य को कुशलता से करने वाला या वाली ।
60. निपुण : जिसे कार्य में पूर्ण कुशलता प्राप्त हो ।
61. गम्य : गमनीय, जानने योग्य ।
62. प्रवीण : किसी भाषा या विषय में श्रेष्ठ स्तर प्राप्त ।
63. शिक्षा प्रेमी : जिसे पढ़ने लिखने का शौक हो । पठन पाठन का शौकीन ।
64. प्रभावशाली : जो दूसरों पर अपना असर डालता हो ।
65. प्रभावपूर्ण : जिसका पूरा प्रभाव या असर दूसरों पर पड़ता हो ।
66. प्रभावशाली वक्ता : जो औरों के सामने विश्वास एवं कुशलता से बोल सकता हो ।
67. परिश्रमी : जो मेहनत कर सकता हो ।
68. फुर्तीला : जिसमें आलस्य न हो और जो जल्दी जल्दी कार्य करता हो ।
69. कर्मठ : कर्म निष्ठ । जो अपना कार्य या कर्म पूरा करने में विश्वास करता हो । जो कमर बांध कर कार्य करता हो ।
70. स्वस्थ्य : जिसे कोई रोग न हो ।
71. सहायक : जो दूसरों की सहायता करता हो ।
72. सेवाभावी : जो सेवा का भाव या इच्छा रखता हो । जो अपनी इच्छा से सेवा करता हो ।
73. उदार : जो खुले मन से दान करता हो ।

74. दयावान : दयालू । जिसके मनमें दूसरों के दु:ख दर्द को समझने के लिये भावना हो ।

75. भावुक : जो अपनी भावनाओं में बह जाता हो । जो भावनाओं को नियंत्रित न कर पाता हो ।

76. सुशील : जिसका आचरण सभ्य हो । जो शांत एवं विनय पूर्ण आचरण करता हो ।

77. मृदुल : कोमल, सुकुमार ,दयालु ।

78. मृदुभाषी : मधुर भाषी ।

79. मृदुहास्य : जो मधुर हास्य पसंद करता या करती हो ।

80. मिलनसार : जो सब ो मिलना या मेल जोल रखना पसंद करता या करती हो ।

81. बहुजनप्रिय : जो अपने आचरण के कारण सब को प्रिय हो ।

82. **समाजप्रिय :** जो अपने व्यवहार के कारण समाज में प्रिय हो ।

83. प्रसन्नमुख : जो सदा मुख पर प्रसन्नता का भाव रखता या रखती हो ।

84. प्रसन्नचित्त : जो मन से प्रसन्न हो ।

85. समान्ताप्रिय : जो सब को एक समान समझता या समझती हो ।

86. स्थिरस्वभावी : जिसका स्वभाव या आचरण एक जैसे रहता हो।

87. स्वच्छताप्रिय : जिसे सफाई पसन्द हो ।

88. सर्वग्राही दृष्टि वाला : जो एक पल या दृष्टि में प्रस्तुत स्थान की हर वस्तु देख व समझ लेता या लेती हो । जो एक ही दृष्टि में सब ग्रहण कर लेता या लेती हो ।

89. गुरूभक्त : जो अपने गुरू में श्रद्धा व विश्वास रखता या रखती हो। पितृभक्त व माताभक्त : जो अपने माता पिता में विश्वास रखता या रखती हो। दानी : जो अपना धन दूसरे को दे देता या देती हो ।

90. सत्यनिष्ठः जो सत्य में विश्वास करता या करती हो ।

91. सत्यवादीः जो सत्य बोलता या बोलती हो ।

92. सद्भावी : मैत्री या मेलजोल रखने वाला या वाली ।

93. सेवाभावी : दूसरों की सेवा करने वाला या वाली ।

94. सुनिर्मल : अति स्वच्छ ।

95. सुन्दर : अच्छा , श्रेष्ठ, मनोहर , बढ़िया ।

96. सज्जनः अच्छे आचरण वाला व्यक्ति ।

97. क्षमाशील : जिसका व्यवहार अपने से छोटों के लिये प्रेम व ममता से भरा हुआ हो ।

98. चरित्रवानः जो अच्छे चरित्र व आचरण का हो ।

99. स्नेहशील : जिसका व्यवहार अपने से छोटों के लिये प्रेम व ममता से भरा हो ।

100. संगीतज्ञः जो संगीत में निपुण हो ।

101. कलाप्रिय : जो कला में रुचि रखता हो ।

102. न्यायप्रिय : जिसे न्याय पंसन्द हो । स्वतन्त्रताप्रियः जिसे स्वतन्त्र रहना पसन्द हो ।

103. यशोकांक्षी : जो यश पाने की तीव्र इच्छा रखता हो ।

104. व्याख्याता : जो कठिन विषयों को सरल भाषा में समझाता हो । विषलेश्क ।

105. भोजनप्रिय : जिसे भिन्न भिन्न प्रकार के स्वादिष्ट भोजन पसंद हों ।

4. अवगुण वाचक संज्ञाए व विशेषण

1. अकर्मी : पापी, अधी , कुकर्मी ।

1.1 अनसढ़ : नीच , अधम ।

1.2 अकृति : निकम्मा, जो कोई कार्य न करता हो ।

1.3 अधम :नीच, खोटा , बुरा, अनीठ, अनिष्ट । निकृष्ट । अनइस। अनयस, अनुत्तम ।

1.4 अत्रप : निर्लज्ज ।

1.5 अरीत : कुरीत, बुरीचाल वाला या वाली ।

2. अक्खड़ : हठी, मूर्ख , अशिष्ट, उद्धत, असभ्य, अड़ियल।

2.1 अकोविद : मन्द, उठंगल, अज्ञ, ज्ञानशून्य, अज्ञानी ।

2.2 अविवेकी : अविचारी, अन्यायी, बिना बुद्धि के । अनाड़ी । उलटे पुलटे कार्य करने वाला । फूहड़ । औघड़ ।

2.3 अविनीत : ढीठ ।

3. उज्झड़ : नितान्त मूढ़ । असभ्य , अशिष्ठ । उजडु ।

3.1 आलसी : अकर्मण्य, जो हर कार्य को बाद के लिये टाल देता हो । जो कोई कार्य न करता हो ।

3.2 अरसीला : आलस से भरा हुआ ।

3.3 अनाड़ी । उलटे पुलटे कार्य करने वाला । फूहड़ । औघड़ ।

4. अनगवना : जानबूझ कर देर करना ।

4.1 आनाकानी : जानबूझ कर टालना ।

4.2 उठल्लू : बिना प्रयोजन के इधर उधर घूमने वाला या वाली । एक स्थान पर न रहने वाला ।

5. अनेरा : असत्य और झूठ बोलने वाला, दुष्ट, क्रूर, दयारहित ।

5.1 अत्याचारी : अन्याय करने वाला ।

5.2 अतिकारी : निदर्यी ।

5.3 अदाक्षिण्य :दयाहीनता, अकृपा ।

5.4 अनट : उपद्रव , अत्याचार ।

5.5 अनख : क्रोध , ईर्ष्या, अन्याय ।

5.6 अनखी : क्रोधी, कोपान्वित ।

5.7 अमोही : कठोरहृदय वाला, दयाहीन, निर्मोही ।

5.8 अचौक : अचानक, धोखेसे , कठिनाई में पड़ जाना, संकट, संकुचित स्थान में फॅस जाना, फॅसाव ।

6. अयोग्यः अकृती, जिसमें कार्य विशेष करने की क्षमता नहीं है। अनुप्युक्त , अनर्ह ।

6.1 अकुशल : अशुभ, अमंगल ।

6.2 अदैव : दुर्भाग्य युक्त ।

6.3 अयुक्त : अयोग्य, अनुचित ।

7. धर्महीन : जो धर्म में विश्वास नहीं करता या करती ।

8. अहंकारी : घमंडी, 'स्व' की भावना से भरा हुआ, जो दूसरों को अपने से कम और छोटा समझता हो ।

9. अविश्वासी : जो किसी पर भी विश्वास नहीं करता ।

10. अपराधी : जिसने कानून का उल्लंघन किया हो ।

11. असत्यभाषी : जो केवल झूठ ही बोलता हो ।

12. कटुभाषी : जो दूसरों को दुखः देने केलिये कठोर या कड़वे बोल बोलता हो ।

13. अंधविश्वासी : जो धर्म में विश्वास करने के बजाय अंधकारमय टोटके टोनों में विश्वास करता हो ।

14. अवहेलना करने वाला : जो अपमान या अनादर करता हो ।

15. अनासक्त : जिसके मन में कोई भी विश्वास न हो । जो अनैतिक कार्यों से धन कमाने में विश्वास करता हो।

16. अश्लीलताप्रियः जो गल्त व्यवहार पसन्द करता हो ।

17. असहिष्णु : जो कोई भी विपरीत स्थिती या कष्ट न सह सकता हो ।

18. अस्वच्छ : जो साफ सुथरा न हो ।

19. आतुर : व्याकुल , रोगी, दुःखी, आहत पाये हुए, पीड़ित ।

20. दुष्ट : दुर्जन, दुराचारी, क्रूर आचरण वाला, जिसका व्यवहार दोषयुक्त हो ।

21. क्रूर : जो जानबूझ कर दूसरों को पीड़ा देता हो या दुःखी करता हो । कष्टदाता ।

22. निर्दयी : जो किसी पर भी दया न करता हो ।

23. निष्ठुर : जिस का हृदय कठोर हो ।

24. निर्मोही : जो किसी से प्रेम या लगाव न रखता हो ।

25. द्वेषी : विरोध करने वाला । बदले की भावना रखने वाला ।

26. क्रोधी : क्रोध या गुस्से से भरा हुआ ।

27. चिल्लानेवाला : गुस्से में अधिक जोर से बोलने वाला ।

28. चीखने वाला : पीड़ा के कारण अधिक जोर से बोलने वाला ।

29. लालची : अपनी आवश्यकता से अधिक पाने की इच्छा रखने वाला ।

30. गुण चोर : दूसरे के गुणों को अपने गुण बताने वाला ।

31. कार्य चोर : दूसरे के कार्य को स्वयं द्वारा किया कार्य बताने वाला ।

32. डरपोक : जो स्थिति का सामना करने के बजाय भाग जाए या छिप जाए ।

33. कामचोर : जो कोई भी कार्य करना ही न चाहता हो ।

34. गप्पबाज : जो अपनी शान में बढ़ा चढ़ा कर झूठी बातें करता हो । डींग मारनेवाला ।

35. चुगलखोर : जो एक जगह की बात या आधी झूठी बात दूसरों को सुनाता हो, जिससे स्थिति बिगड़ जाए या झगड़ हो जाए ।

36. चपलूस : जो अपना मतलब निकालने के लिये दूसरों की झूठी प्रशंसा करता हो ।

37. चलाक : जो अपने मतलब के लिये दूसरों का नुकसान कराए या उन्हें मुश्किल में डाल दे ।

38. बेईमान : जिसका कोई धर्म ईमान नहीं हो और जिसपर भरोसा न किया जा सके ।

39. निन्दक : जो हमेशा दूसरों की बुराई ही करता रहता हो ।

40. संदेही : जो हमेशा दूसरों की बात को झूठा मानता हो ।

41. घमण्डी : जो स्वयं को दूसरों से बड़ा और दूसरों को अपने से छोटा समझता हो ।

42. स्वार्थी : जो केवल अपने आराम या लाभ की बात सोचता हो ।

43. लोभी : लालची । जो हर वस्तु अपनी आवश्यकता से अधिक चाहता हो ।

44. ईर्ष्यालु : जो केवल दूसरों से जलन की भावना मन में रखता हो ।

45. धोखेबाज़ : जो दूसरों का नुकसान करा कर केवल अपना लाभ करता हो ।

46. कंजूस : जो आवश्यकताओं पर भी कम से कम खर्च करता हो ।

47. दिखावाप्रिय : जो अपना वैभव दूसरों को दिखाने केलिये धन खर्च करता हो ।

48. शंकाशील : जो हर किसी पर हर समय शक करता हो ।

49. उत्कोचग्रही : जो अपने पद की जिम्मेदारी या कार्य को पूरा करने के लिये अलग से पैसे लेता हो ।

50. मुनाफाखोर : जो व्यापार में आवश्यकता से बहुत अधिक लाभ उठाता हो ।

51. मिथयाआचरणी : जिसका दैनिक व्यवहार और आचरण ही ढ़ोगी की तरह झूठा हो ।

52. मुँहफट : जो बिना सोचे समझे बोलता हो ।

53. उच्श्रंखल : जो अपने व्यवहार में कोई या किसी प्रकार का नियम या अनुशासन न मानता हो ।

54. भ्रष्ट आचरणी : जिसका व्यवहार व आचरण दूषित हो । जो दुराचारी हो । खराब प्रकृति वाला ।

55. जलसाज़ : झूठी कार्यवाही करने वाला ।

56. कट्टरवादी : जो एक विचारधारा की चरम सीमा में विश्वास रखता हो ।

57. रूढ़ीवादी : जो पुराने विचारों में ही विश्वास रखता हो ।

58. रागद्वेषयुक्त : जिसके मन में शत्रुता और प्रेम दोनों की विरोध भवनाएं हों ।

59. सख्त अनुशासन वाला : जो स्वयं के आचरण में पूरा नियम संयम रखता हो ।

60. दम्भी : अति घमंडी ।

61. कृतघ्न : स्वयं पर किये गये उपकारों को भूल जाने वाला ।

62. छिद्रान्वेषी : दूसरों में दोष ढूढ़ने वाला ।

63. रूक्ष मारसिक प्रकृति वाला : जो किसी भी बात पर कभी भी प्रसन्न नहीं होता ।

64. तीखी ऑख वाला : जिसकी दृष्टि दूसरों में डर की भावना लाती हो ।

65. बेहिसाब खर्चीला : जो अपनी आवश्यकता व आय से बहुत अधिक व्यय करता हो । उधारखोर ।

66. बेझिझक जुर्म करने वाला : जिसे कोई गैर कानूनी कार्य करने में कोई संकोच न हो ।

67. उच्च आर्दशों से वंचित : जिसके व्यवहार व आचरण में कोई नेकी या अच्छाई न हो ।

68. लापरवाह : जो ध्यान दिये बिना कार्य करता हो जिसके कारण गल्ती होती हो या कार्य खराब हो जाता हो ।

69. चरित्रहीन : जिसका दैनिक आचरण खराब हो ।

70. जुआरी : जो जुए में धन व्यय करता हो ।

71. सट्टेबाज़ : जो सट्टे में धन व्यय करता हो ।

72. शरारती : जो दूसरों को परेशान करने में लगा रहता हो और उस से आन्नदित होता हो ।

73. झुंझलाहट वाला : जो बात बात में गुस्सा करता हो या गुस्से से उत्तर देता हो ।

74. बैठकबाज़ : जो अपना अधिकतर समय दोस्तों के साथ व्यर्थ करता हो ।

75. हल्की जुबान वाला : जिसकी कही किसी भी बात पर विश्वास न किया जा सकता हो ।

76. शपथ खाने की प्रवृति वाला : जो बिना कारण बात बात पर शपथ उठाता हो, ताकि उसकी कही झूठ बात पर विश्वास दिलाया जा सके ।

77. मन गढ़न्त कहानी बनानेवाला : हमेशा झूठी बातें करने वाला ।

78. दूसरों के उत्पीड़न से संतोषपाने वाला ।

79. ऋण चुकाने में लापरवाह ।

80. अपने दायित्व से भागने वाला ।

81. छीना झपटी की प्रकृति वाला ।

82. ऋण वसूलने में कट्टर ।

83. दूसरों के कार्य या स्थिति से अनुचित लाभ उठाने वाला ।

84. पाखंडी : धर्म का बनावटी दिखावा करने वाला ।

85. धूर्त : छल कपट करने वाला । ढकोसला करने वाला ।

86. मूर्ख : कम विकसित बुद्धि वाला ।

87. अनमना : उदास, अस्वस्थ, खिन्न, जिस का मन किसी कार्य में न लगे।

88. अनिष्टकर : बुराई करने वाला ।

89. उकटा :एक बार किये किसी एक उपकार को बार बार याद दिलाने वाला ।

90. ओछा : तुच्छ, छिछला , हल्के अशिष्ट व्यवहार का , छोटे व्यवहार का, ध्यान न देने लायक ।

5. भावनाओं को व्यक्त करने वाले शब्द

दुःख या खेद व्यक्त करने वाले शब्द

1. संकोचन : दबाव, संचय, आकुंचन ।
2. आकुण्ठनः लज्जा, शर्म, हिचक ।
3. आकुल : व्यग्र, विह्व्ल, व्याप्त , उद्विग्न, संताप, घबराना ।
4. आतुर : पीड़ित , व्याकुल, रोगी , अधीर ,दुःखी, उत्सुक ।
5. आधि : चिन्ता, मानसिक व्यथा । अधिष्ठान ।
6. उत्कण्ठा : उत्सुकता, चिन्ता , औत्सुक्य ए उदासीन, उदासी।
7. विवशता : आक्रान्ति, लाचारी , बन्धन , मजबूरी ।
8. आक्रन्दन : चिल्लाने के साथ रोना । ललकार । पुकार ।
9. आक्रान्त : विह्व्ल , गहरा दुःख । आर्ति । मनोव्यथा ।
10. आक्रोश : शाप, निन्दा , अपवाद । आर्त : दुखित, अस्वस्थय।
11. उचाट : विरक्त , खिन्न , हताश , उत्ताप, उकताना।

प्रसन्नता व्यक्त करने वाले शब्द

12. आनन्द : हर्ष , सुख , प्रसन्नता ।
13. आनन्दना : प्रसन्न होना ।
14. आनन्दित : हर्षयुक्त , प्रसन्न ।
15. आह्लाद : हर्ष उल्लास, प्रसन्नता का वातावरण , साथ मिल कर आनन्दमय वातावरण में नृत्य कर, अपनी प्रसन्नता प्रकट करना ।
16. आरतः शान्त मन से । आर्जव : सरलता , सदाचार, सच्चाई ।

आत्म विश्वास व्यक्त करने वाले शब्द

17. आत्मा : ब्रह्म, जीवात्मा, चित्त, मन ।
18. आत्मीय : आत्मा संबंधी । निजी ।
19. आत्मविद्याः योगशास्त्र । ब्रह्मविद्या ।
20. आत्मेश्वर : अपने मन पर अधिकार रखने वाला ।
21. आत्मज्ञान : आत्मा के यथार्थ रूप की जानकारी ।
22. आत्मत्याग : अपने स्वार्थ का त्याग ।
23. आत्मविश्वास : स्वयं की क्षमता व शक्ति पर विश्वास ।

समय व स्थिति दर्शाने वाले शब्द

24. अवकलन : समझ, दृष्टि, जानकारी ।
25. अवहेलना : अनादर, अपमान, तिरस्कार, बात न मानना ।
26. अवसर : समय, काल, मौका ।

27. अवधि : सीमा, निर्धारित समय तक, पर्यन्त ।

28. अवस्था : दशा , स्थिति, आयु, आकार।

29. अवघट : कठिन, विकट, मुश्किल ।

क्रियाएँ

30. देखना : ताकना , आलोकना । किसी पर दृष्टि डालना ।

31. उगना : दिखाई पड़ना, प्रकट होना, जमना, उपजना ।

32. बोलना : कहना, शब्दों या वाक्यों में स्पष्ट करना । कथन, उच्चारण करना । शब्द प्रयोग । उगदना । उच्चार । पुकार, आव्हान करना। अपना अभिप्राय स्पष्ट करना ।

33. चिल्लाना : ऊँचे स्वर में बोलना । गला फाड़ना। आक्रन्दन। ललकार ।

34. समझाना : अपनी बात इस प्रकार कहना कि सुनने वाले को पूरी तरह जानकारी मिले कि क्या कहा जा रहा है । सरल भाषा में बात बताना । स्पष्ट करना ।

35. ठोकर मारना : पॉव से ढकेल कर एक ओर करना । चोट पहुँचाना । प्रहार करना । धक्का देना । आघात करना, क्षति पहुँचाना । मार पीट कर आगे बढ़ जाना । बात न करना । झटके के साथ अलग कर देना । पैरों से आक्रमण करना । उछल कर पैरों से आघात करना । औझड़ ।

36. पत्थर : अश्म, चट्टान, पाषाण , रोड़ा या रोड़, बजरी, पहाड़, मोटा पत्थर, असाढू या बड़ी चट्टान । पर्वत ।

37. उखाड़ना : खोदना , खींच कर जड़ से निकालना, निर्मूल करना, भगाना, लुप्त करना, गिराना, रोकना, लड़खड़ाना, तोड़ना, उटकना, भेद लेना , उघारना या खोल लेना, उजाड़ना, उधेड़ना, उकेलना या परत अलग करना । छिन्न भिन्न करना, नष्ट करना , हटाना, भड़काना, उकीरना, उकसाई या हटवाई, निकसवाई । उकसवाना या निकाल देना ।

38. उचाड़ना या सटी हुई वस्तुओं को अलग अलग करना ।

39. चढ़ाना : आगे बढ़वाना, उकसाना, नीचे से ऊपर की ओर धकेलना ।

40. उभाड़ना : सुलगाना। आग पर भोजन पकाने के लिये रखना।

41. उगलवाना : मुख के अन्दर का भोजन बाहर निकलवाना । दूसरे से गुप्त बात का भेद जानना । किसी से उसका दोष स्वीकार करवाना ।

42. कहलवाना : अपनी बात दूसरे व्यक्ति के माध्यम से किसी तीसरे व्यक्ति के पास तक पहुँचवाना । संदेश भिजवाना ।

43. उलझाना : एक पात्र को दूसरे पात्र में अटकाना या शामिल करना । उमड़ उठाना । एक को दूसरे में लपेटना ।

44. उठनाः जागना। आरम्भ होना । निकलना । उगना । फैलना । उभड़ आना । उबलना । स्थापित होना । पूर्ण

होना । किराये पर दिया जाना । व्यय होना । छोड़ना । बिकना । किसी प्रथा का दूर होना ।

45. उठाना: ऊँचा करना । चुनना । खोलना । सहना । लगाना । स्थापित करना । बन्द करना ।

46. उठा न रखना : कसर न छोड़ना । कमी न रखना ।

47. उतरना: किसी ऊँचे स्थान से नीचे की ओर जाना । अवतार लेना । नदी पार करना । पार उतारना । घटना । कुम्हलाना । वृद्ध होना । समाप्त होना । शरीर में हड्डी के जोड़ का हटना ।

48. उतार : बाजार में मूल्य का कम होना । समुद्र में भाटा । नदी या समुद्र के किनारे हलकर पार करने का समतल स्थान ।